

D

(Printed Pages 4)

(21223)

Roll No.

B.A. LL.B. - VII Sem.

NS-3522

B.A. LL.B. Examination, Dec.-2023

Interpretation of Statutes

(BL-7003)

(New Course)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 100

Note : This paper is divided into **three Sections-A, B and C Section-A** contains Very short answer questions **Section-B** contains Short answer questions **Section-C** contains Descriptive answer questions. Attempt all the sections as per instructions.

इस प्रश्न पत्र को तीन खण्डों अ, ब तथा स में विभाजित किया गया है। खण्ड-अ में अति लघु प्रश्न, खण्ड-ब में लघु उत्तरीय प्रश्न तथा खण्ड-स में विस्तृत उत्तरीय प्रश्न है। सभी खण्डों को निर्देशानुसार हल कीजिये।

P.T.O.

Section-A/खण्ड-अ
(Very Short Answer Questions)
(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

Note : Attempt **all** questions. Each question carries **4** marks. Very short answer is required not exceeding **75** words.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न 4 अंकों का है। अधिकतम 75 शब्दों में अति लघु उत्तर अपेक्षित है।

5×4=20

1. What is codifying law? 4
संहिताकारी कानून क्या है?
2. Quater of jurisdiction. 4
क्षेत्राधिकार का अपवर्जन
3. What is the rule of 'Harmonious Interpretation'? 4
सामंजस्यपूर्ण निर्वचन का नियम क्या है?
4. Explain the distinction between Proviso and exception. 4
परन्तुक एवं अपवाद के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए।
5. What is the meaning of 'Ejusdem generis'? 4
संजाति अर्थावयन का क्या अर्थ है?

Section-B/खण्ड-ब
(Short Answer Questions)
(लघु उत्तरीय प्रश्न)

Note : Attempt any **two** questions out of the following **three** questions. Each

NS-3522/2

question carries **10** marks. Short answer is required not exceeding **200** words. $2 \times 10 = 20$

निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है। अधिकतम 200 शब्दों में लघु उत्तर अपेक्षित है।

6. 'Statute should be read as a whole' why? कानून को पूर्ण रूप से पढ़ा जाना चाहिए, क्यों? 10
7. Discuss the Maxim "ut-res magis valeat quam pereat." मैकिज्म की यूट-रेस मैजिस वैलेट काम पेरीट की व्याख्या कीजिए। 10
8. Write a short note on the mischief rule of interpretation. अर्थान्वयन के रिष्ठी नियम पर टिप्पणी लिखिए। 10

Section-C/खण्ड-स

(Long Answer Questions)

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

Note : Attempt any **three** questions out of the following **five** questions. Each question carries **20** marks. Answer is required in detail. $3 \times 20 = 60$

निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है। विस्तृत उत्तर अपेक्षित है।

9. What are the presumption in favour of constitutionality of statute? What are the

effects of constitutionality? 20

संविधियों की संवैधानिकता के बारे में क्या अवधारणाएं हैं? संवैधानिकता के क्या प्रभाव होते हैं?

10. With the help of decided cases. Write a detail note on the external aids of interpretation. 20

निर्णीतवादों की सहायता से निर्वचन के बाह्य सहयोगियों पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए।

11. What is meant by Doctrine of 'Pith and Substance'. Explain with the help of decided. 20

'सारतत्व के सिद्धान्त' से आपका क्या अभिप्राय है? निर्णीतवादों की सहायता से व्याख्या कीजिए।

12. Discuss the importance of utility of interpretation in judicial process. 20

न्यायिक प्रक्रिया में निर्वचन के महत्व तथा आवश्यकता की विवेचना कीजिए।

13. Explain the scope and nature of legislative delegation. In there any limit to delegated legislation. 20

विधायी प्रत्यायोजन के प्रवृत्ति एवं विस्तार की व्याख्या कीजिए। प्रत्यायोजन विधायन की क्या कोई सीमा है?

OR/अथवा

13. How does Golden Rule of interpretations differ with literal rule of interpretation? Explain. 20

शाब्दिक अर्थान्वयन किस प्रकार निर्वचन के स्वर्णिम नियम से भिन्न होता है। व्याख्या कीजिए।